KGDS SARASWATI VIDYA MANDIR RAJNAGAR GHAZIABAD

सृजन

APRIL 2024-25

Where the mind is without fear...

EDITORIAL

"Education is not preparation for life, Education is life itself "

A MAGAZINE COULD BE PICKED UP, PUT DOWN, RETURNED TO. AND IT ENABLED MY THOUGHTS TO TRAVEL FAR BEYOND THE CARRIAGE OF PAPER AND INK.
THIS YEAR 2024-25 I AM STARTING THROUGH THE MAGAZINE ,"सृजन" AS EDITOR.
THIS MAGAZINE PROVIDES A GREAT PLATFORM FOR STUDENTS TO UNLEASH THEIR INNER CREATIVITY AND TALENT. I WOULD LIKE TO THANK OUR RESPECTED PRINCIPAL MR. PANKAJ SHARMA FOR ALL YOUR SUPPORT.

GEETANJALI GUPTA

A YEAR AGO, OUR SCHOOL CAME OUT WITH THE FIRST E- MAGAZINE 'मंथन'. THE SECOND EDITION 'सृजन' IS NOW A CLICK AWAY. THIS E- MAGAZINE IS A GREAT WAY TO COMMUNICATE AND HAS PROVIDED A STAGE TO OUR STUDENTS TO BRING OUT THEIR CREATIVE TALENT AND IMAGINATION. I AM HONOURED TO PRESENT THIS MAGAZINE WHICH ALLOWS YOU TO RELIVE THE ACADEMIC YEAR 2024- 25 FROM THE LENS OF STUDENTS.

THE SINCERE EFFORTS PUT IN BY OUR SCHOOL'S PRINCIPAL, MANAGEMENT, STUDENTS AND STAFF HAVE PLAYED A HUGE PART IN MAKING THIS MAGAZINE POSSIBLE. SO BE A PART OF THIS EXPERIENCE AND I HOPE YOU ENJOY READING THE MAGAZINE.

Happy reading....give wings to your dreams..... it's time to fly.....

EKTA MAHESHWARI

MESSAGE FROM MANAGER

बच्चे उर्वरभूमि पर लहलहाती फसलों के सदृश हैं, जिस पर किसी भी राष्ट् की आधारशिला निर्धारित होती हैं। राष्ट्र के भविष्य की बुनियाद बच्चें होते हैं। ये उस राष्ट्ररुपी वृक्ष की जडें हैं जो नई पीढ़ी को कार्य, आराधना तथा विद्वता के फल प्रदान करता है। हमारे बच्चों को भविष्य की लम्बी राह तय करनी है तथा राष्ट्र को सफलता के मार्ग पर ले जाना है।

किसी राष्ट्र के भविष्य को आकार देने का प्राथमिक उतरदायित्व तीन लोगों पर है-माता, पिता एवं शिक्षक। इनमें से शिक्षक सर्वमहत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं-अपनी क्षमतानुरुप इस कर्त्तव्य को निभाते हैं। एक शिक्षक विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा समाज के विश्वास का पात्र होता है और इस विश्वास को पूरी सत्यनिष्ठा के साथ निभाना उसका धर्म होता है, वह प्रत्येक परिस्थिति में अपने विद्यार्थियों पर आशीर्वाद की वर्षा करता है। शिक्षक अपने विद्यार्थियों को एक मूर्ति की तरह गढ़ते हैं। उनके दिशा निर्देश विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की रुपरेखा तय करते हैं तथा उनके लिए नई सम्भावनाएँ पैदा करते हैं।

MRS. DEEPTI MITTAL
MANAGER

FROM THE DESK OF PRINCIPAL.....

स्वामी विवेकानंद कहते हैं कि जीवन में अपना एक लक्ष्य बनाओ और दिन-रात इस लक्ष्य के बारे में सोचो स्वप्न में भी आपको वह लक्ष्य दिखाई देना चाहिए। हर मनुष्य के जीवन में लक्ष्य का होना बहुत जरूरी है लक्ष्य के बिना उसका जीवन व्यर्थ होता है।

एक राहगीर ने एक संत से पूछा महाराज यह रास्ता कहां जाता है,, संत ने जवाब दिया यह रास्ता कहीं नहीं जाता है।आप बताइए आपको कहां जाना है व्यक्ति ने कहा महाराज मुझे मालूम नहीं है कि मुझे कहां जाना है जब कोई लक्ष्य ही नहीं है तो फिर रास्ता कोई भी हो उससे क्या फर्क पड़ता है आप भटकते रहिए जिस व्यक्ति के जीवन में कोई लक्ष्य नहीं होता वह अपनी जिंदगी तो जीता है लेकिन वह इसी राहगीर की तरह यहां-वहां भटकता रहता है। दूसरी और जीवन में लक्ष्य होने से मनुष्य को मालूम होता है कि उसे किस दिशा की ओर जाना है।

वास्तव में असली जीवन उसी का है जो परिस्थितियों को बदलने का साहस रखता है और अपना लक्ष्य निर्धारित करके अपनी राह खुद बनाता है हमारा लक्ष्य कुछ भी हो सकता है क्योंकि हर इंसान अपनी क्षमताओं के अनुसार ही लक्ष्य तय करता है हालांकि हर मनुष्य को बड़ा लक्ष्य तय करना चाहिए लेकिन उसे प्राप्त करने के लिए छोटे-छोटे लक्ष्य बनाने चाहिए। जब हम छोटे-छोटे लक्ष्य रखते हैं और उन्हें हासिल करते हैं तो इससे बड़े लक्ष्य को हासिल करने का आत्मविश्वास बढ़ता है जब हम कोई कर्म करते हैं तो जरूरी नहीं है आपको सफलता मिल ही जाए लेकिन असफलताओं से घबराना नहीं चाहिए अगर बार-बार असफलता हाथ आती है तब भी निराश नहीं होना चाहिए। विवेकानंद जी कहते हैं हजार बार प्रयास करने के बाद भी आप गिर पड़े हैं तो एक बार फिर से उठे और प्रयास करें। हमें लक्ष्य की प्राप्ति तक स्वयं पर विश्वास और आस्था रखनी चाहिए और अपनी सोच को हमेशा सकारात्मक रखना चाहिए।

श्री पंकज शर्मा
प्रधानाचार्य

प्रधानाचार्य की कलम से

MESSAGE FROM VICE PRINCIPAL

DEAR STUDENTS,
YOU ARE CAPABLE OF ACHIEVING ANYTHING YOU SET YOUR MIND IN YOUR LIFE TO ACHIEVE YOUR SUCCESS. BELIEVE IN YOUR SELF AND BE KIND TO OTHERS . BE REMEMBER EVERY CHALLENGE IS AN OPPORTUNITY TO BECOME STRONGER , CELEBRATE YOUR VICTORIES , BIG OR SMALL ,KEEP TRYING AND STAY DETERMINED EVEN WHEN THINGS GET TOUGH. REMEMBER THAT EVERY ONE MAKES MISTAKE AND WE SHOULD LEARN FROM THEM . YOUR EDUCATION IS A LIFELONG JOURNEY NOT A DESTINATION,SO FOCUS ON THE PRESENT AND TRUST IN THE FUTURE .
ALL THE BEST FOR YOUR BRIGHT FUTURE.

MRS. PRIYANKA SHARMA

नवीन सत्र 2024-25 विद्यालय का प्रथम दिवस
वंदना सत्र

आज कुसुम गोयल डॉक्टर संतोष सरस्वती विद्या मंदिर में प्रधानाचार्य जी के द्वारा नवीन सत्र (2024- 25) का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य जी द्वारा भैया बहनों के सम्मुख वंदना स्थल पर विद्यालय स्टाफ का परिचय कराया गया। प्रधानाचार्य जी ने एक बोध कथा के माध्यम से भैया बहनों को जीवन में निरंतर सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। प्राथमिक कक्षाओं में सभी भैया बहनों का तिलक लगाकर विद्यालय के प्रथम दिवस आगमन पर तिलक लगाकर स्वागत किया गया। नवीन सत्य के प्रथम दिवस पर भैया- बहनों द्वारा विभिन्न प्रकार की क्रियाकलाप कराए गए तथा प्रेरक कहानियाँ सुनाई गईं।

WELCOME
CEREMONY

SARASWATI
VIDYA MANDIR

Galaxy S23 FE

विद्यालय परिसर में अतिथि भ्रमण

U S से भारत भ्रमण पर आए हुए अतिथि श्री वरुण अग्रवाल जी एवं नेहा अग्रवाल जी ने परिवार सहित विद्यालय की प्रबंधिका महोदया श्रीमती दीप्ती मित्तल जी के साथ विद्यालय परिसर का भ्रमण किया। आपने यहां पर सिखाई जाने वाली गतिविधियों व अध्यापन कार्य आदि की प्रशंसा की तथा विद्यालय के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी प्रेषित की।

7 अप्रैल
विश्व स्वास्थ्य दिवस

दिनांक 6 अप्रैल 2024 को विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष में मुख्य उद्बोधन श्रीमति पूजा कसाना जी का रहा । विद्यालय के भैया बहनों ने भी इस अवसर पर विभिन्न पोस्टर बनाकर अपनी सहभागिता प्रदर्शित की । लोगों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने तथा उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने को विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखी गई । अतः हर साल 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है । इसकी मदद से लोगों को एहसास कराया जाता है कि सेहतमंद रहना कुशल जीवन के लिए कितना आवश्यक है ।

9 अप्रैल
नववर्ष प्रारम्भ
चैत्र नवरात्र

आप सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं चैत्र शुक्ल प्रतिपदा नव संवत्सर विक्रमी संवत 2081, प्रथम नवरात्रि, भारतीय नववर्ष, तदनुसार 09/04/2024 को अपने विद्यालय कुसुम डॉ. संतोष सरस्वती विद्या मंदिर, राजनगर, गाजियाबाद में कन्या पूजन का कार्यक्रम किया गया ।

जय माता दी

14 अप्रैल
भीमराव अंबेडकर जयंती

"'CULTIVATION OF MIND SHOULD BE THE ULTIMATE AIM OF HUMAN EXISTENCE.'"

दिनांक 13/4/2024 को विद्यालय में भीमराव अंबेडकर जयंती मनाई गई। इस अवसर पर मुख्य उद्बोधन सुश्री बबिता वर्मा जी का रहा। आपने बताया की अंबेडकर जी का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू में हुआ था। अंबेडकर जी एक भारतीय न्यायविद, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक थे। आपने दलित वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए अनेक कार्य किये तथा गरीबों पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए बहिष्कृत भारत, मूकनायक, जनता नाम जैसे साप्ताहिक पत्र निकाले। आपने पंचशील को अपनाते हुए बौद्ध धर्म भी ग्रहण किया। इसके अलावा उन्होंने भारत के संविधान निर्माण में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

"जहाँ मेरे व्यक्त्वि और देश में टकराव होगा।, मैं देश को प्राथमिकता दूंगा। जहाँ दलित जातियों के हित और देश में टकराव होगा मैं दलित वर्ग को प्राथमिकता दूंगा।" .... भीमराव अंबेडकर

16 एव 17 अप्रैल दुर्गाष्टमी तथा राम नवमी

विद्यालय में दुर्गा अष्टमी व रामनवमी का त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य उद्बोधन विद्यालय की उप प्रधानाचार्या श्रीमती प्रियंका शर्मा जी का रहा। आपने बताया कि नवरात्रि का त्यौहार हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखता है। इन दिनों मां दुर्गा के नौ रूपों की आराधना की जाती है। नवरात्रि की अष्टमी तिथि को मां महागौरी की पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन मां दुर्गा असुरों का संहार करने के लिए प्रकट हुई थीं। इसी के साथ रामनवमी का त्यौहार भी चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी को मनाया जाता है। हिंदू धर्म शास्त्रों में इस दिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का जन्म हुआ था इसलिये इस दिन को राम जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। साथ ही इसी दिन मां सिद्धिदात्री की उपासना भी की जाती है।

दिनांक 18. 4.24 को विद्यालय में विश्व धरोहर दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य उद्बोधन ममता जी का रहा तथा कार्यक्रम प्रमुख ममता जी एवं सुश्री प्रियंका पाल जी रही। विद्यालय के भैया- बहनों द्वारा सुप्रसिद्ध स्मारकों की प्रदर्शिनी भी लगाई गई। प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को सांस्कृतिक ऐतिहासिक स्थलों और धरोहरों के संरक्षण हेतु जागरूकता पैदा करने के लिए विश्व धरोहर दिवस का आयोजन किया जाता है। इस दिवस को विश्व विरासत दिवस भी कहा जाता है। दुनिया भर में आज भी कई ऐसी धरोहर और विरासत हैं, जो वक्त के साथ जर्जर होती जा रही हैं। इन विरासतों के स्वर्णिम इतिहास और इनके निर्माण को बचाए रखने के लिए हर साल विश्व धरोहर दिवस मनाया जाता है। यूनेस्को हर साल लगभग 25 धरोहर को विश्व विरासत की लिस्ट में शामिल करता है ताकि उन धरोहरों का संरक्षण किया जा सके। हमारे देश भारत को पहली बार यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 46 में सत्र की अध्यक्षता और मेजबानी के लिए चुना गया है, जिसकी बैठक जुलाई 2024 के बीच नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी।

21 अप्रैल
महावीर जयंती

🚩🙏 "जय जिनेन्द्र" 🙏🚩

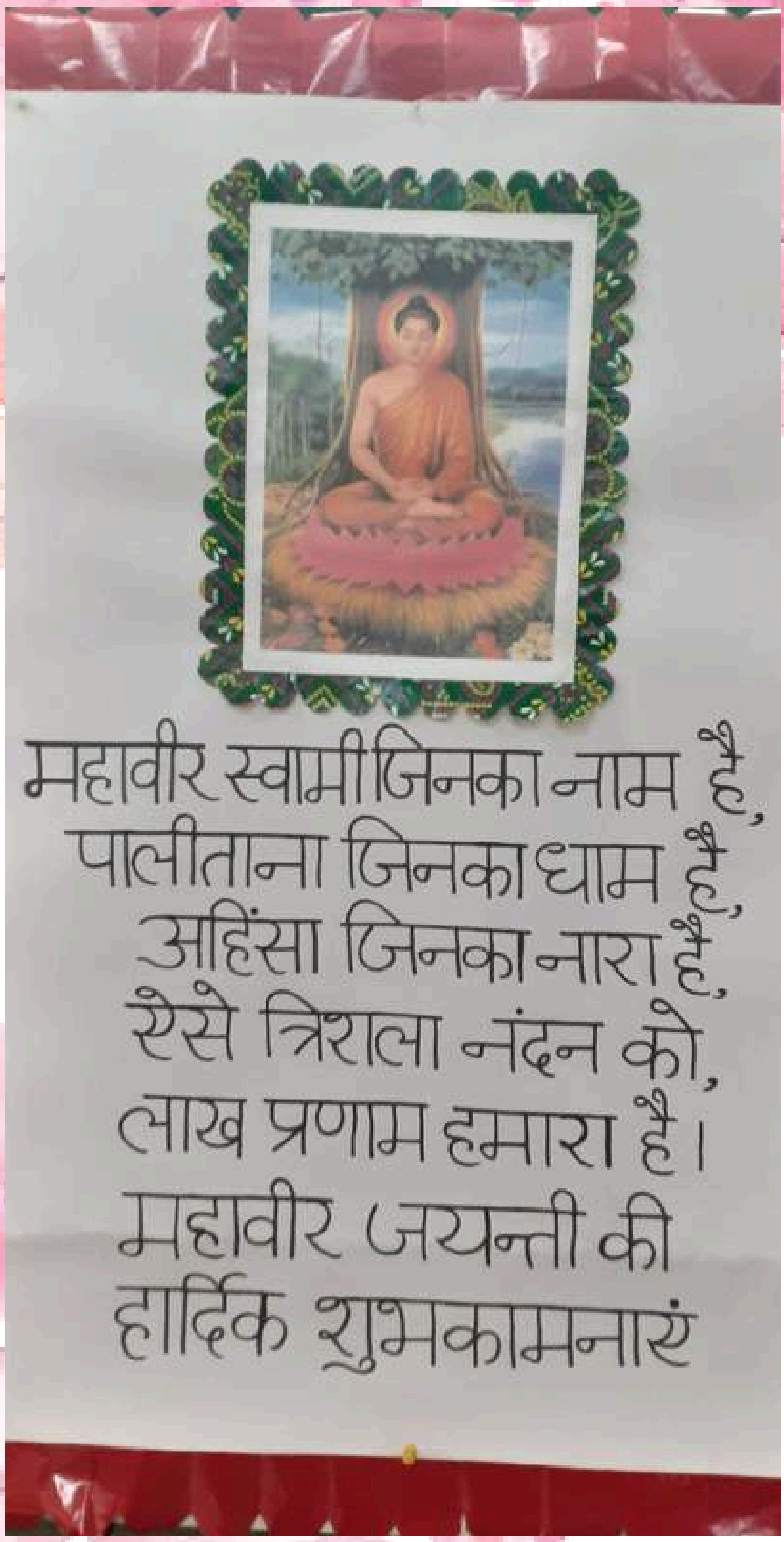

विद्यालय में दिनांक 20/4/ 2024 को महावीर जयंती मनाई गई। इस अवसर पर मुख्य उद्बोधन श्रीमती दीप्ति जैन जी का रहा। महावीर जयंती जैन समुदाय के लिए सबसे शुभ त्योहारों में से एक है। यह जैन धर्म के 24 वें और अंतिम तीर्थंकर की जयंती का प्रतीक है। तीर्थंकर महावीर जैन धर्म के 24 में तीर्थंकर रहे हैं इनका जन्म कुंडलपुर नगर में हुआ था। आपके पिता का नाम राजा सिद्धार्थ और माता का नाम कृष्णा देवी था। आपका नारा था जिया और जीने दो। महावीर के अनुसार जैन धर्म में पांच पाप बताए गए हैं हिंसा, चोरी, झूठ, कुशील, और परिग्रह। हम सभी को इन पांच पापों को त्याग कर अपने जीवन में सही मार्ग को अपनाना चाहिए।

INTER SCHOOL YOGA COMPETITION

दिनांक 21/4/2024 को आधारशिला ग्लोबल स्कूल गाज़ियाबाद में योगा का इंटर स्कूल कंपटीशन हुआ। इसमें अपने स्कूल के भैया बहनों ने भी पार्टिसिपेट किया, जिसमें भैया बहनों को एप्रिसिएशन सर्टिफ़िकेट व मैडल दिया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा वन्दना सत्र में भैया बहनों को मैडल पहनाकर प्रोत्साहित किया गया।

DIGITAL PHOTOGRAPHY TRAINING

नोएडा के UP INSTITUTE OF DESIGN संस्थान में दिनांक 22/04/2024 को शिक्षार्थियों को डिजिटल फोटोग्राफी की प्रशिक्षण नोएडा के एक प्रमुख डिज़ाइन संस्थान में एक विशेष शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विद्यालय से 25 छात्र शामिल हुए। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, शिक्षार्थियों को मोबाइल फोन, कैमरे और DSLR कैमरे के मुख्य गुण और उपयोग की शिक्षा दी गई। इसके साथ ही, उन्हें प्राक्टिकल शिक्षा दी गई जहां उन्होंने आवश्यक अभ्यास के दौरान तस्वीरें खींची।इस कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षार्थियों ने मोबाइल फोन कैमरे और DSLR कैमरे के मुख्य गुणों का अध्ययन किया जैसे कि शटर स्पीड, एपर्चर, और आईएसओ सेटिंग का महत्व।
यह कार्यक्रम शिक्षार्थियों को नए अवसर प्रदान करता है, जिससे वे अपनी प्रतिभा को विकसित कर सकते हैं और डिजिटल फोटोग्राफी में माहिर हो सकते हैं।

22 APRIL

दिनांक 22/4/24 दिन सोमवार को विद्यालय में विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर श्रीमती शुभांगी जी ने अपने विचार व्यक्त किये। साथ ही रश्मि जी और पूजा कसाना जी ने भैया बहनों के साथ एक नृत्य नाटिका भी प्रस्तुत कराई गई। भैया बहनों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। लोगों को पृथ्वी और प्रकृति के महत्व को समझाने एवं जागरूक करने के मकसद से हर साल 22 अप्रैल को वर्ल्ड अर्थ डे मनाया जाता है। मनुष्य अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पृथ्वी को कई तरह से नुकसान पहुंचा रहा है, जिसके चलते बाढ़, प्रदूषण, क्लाइमेट चेंज, ग्लोबल वार्मिंग जैसी कई समस्याएं देखने को मिल रही है। इन समस्याओं से बचने के लिए हमें कम से कम दो पौधे जरूर लगाने चाहिए और हर नागरिक को अपनी पृथ्वी को सबसे सुंदर बनाने के लिए वृक्षारोपण अवश्य करना चाहिए। भैया बहनों ने नाटिका द्वारा पेड़- पौधों की कटाई आदि से बचाव पर प्रकाश डाला।

23 अप्रैल
विश्व पुस्तक दिवस

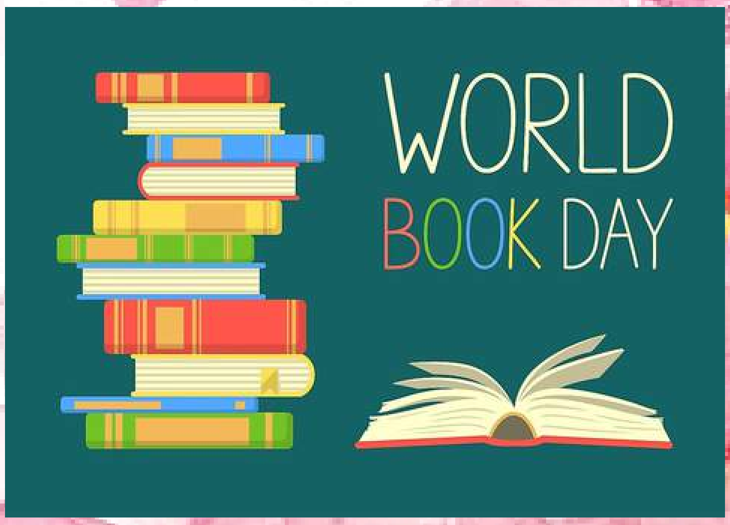

विद्यालय में 23 अप्रैल 2024 को विश्व पुस्तक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश निरीक्षक के रूप में श्रीमान विशोक जी रहे। आपने विद्यार्थियों को पुस्तकों की महत्ता बताते हुए पुस्तकों को पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय की पुस्तकालय प्रमुख श्रीमती चैरी गोस्वामी जी ने विभिन्न प्रकार की पुस्तकों की प्रदर्शिनी लगायी तथा भैया बहनों ने पोस्टर भी बनाए।

इसी दिन एक प्रसिद्ध लेखक शेक्सपीयर ने दुनिया को अलविदा कहा था, जिन्होनें अपने जीवन काल में करीब 35 नाटक और 200 से अधिक कविताएं लिखीं। साहित्य जगत में शेक्सपीयर को जो स्थान प्राप्त है उसी को देखते हुए यूनेस्को ने 1995 से और भारत सरकार ने 2001 से इस दिन को विश्व पुस्तक दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की।

23 अप्रैल
हनुमान जयंती

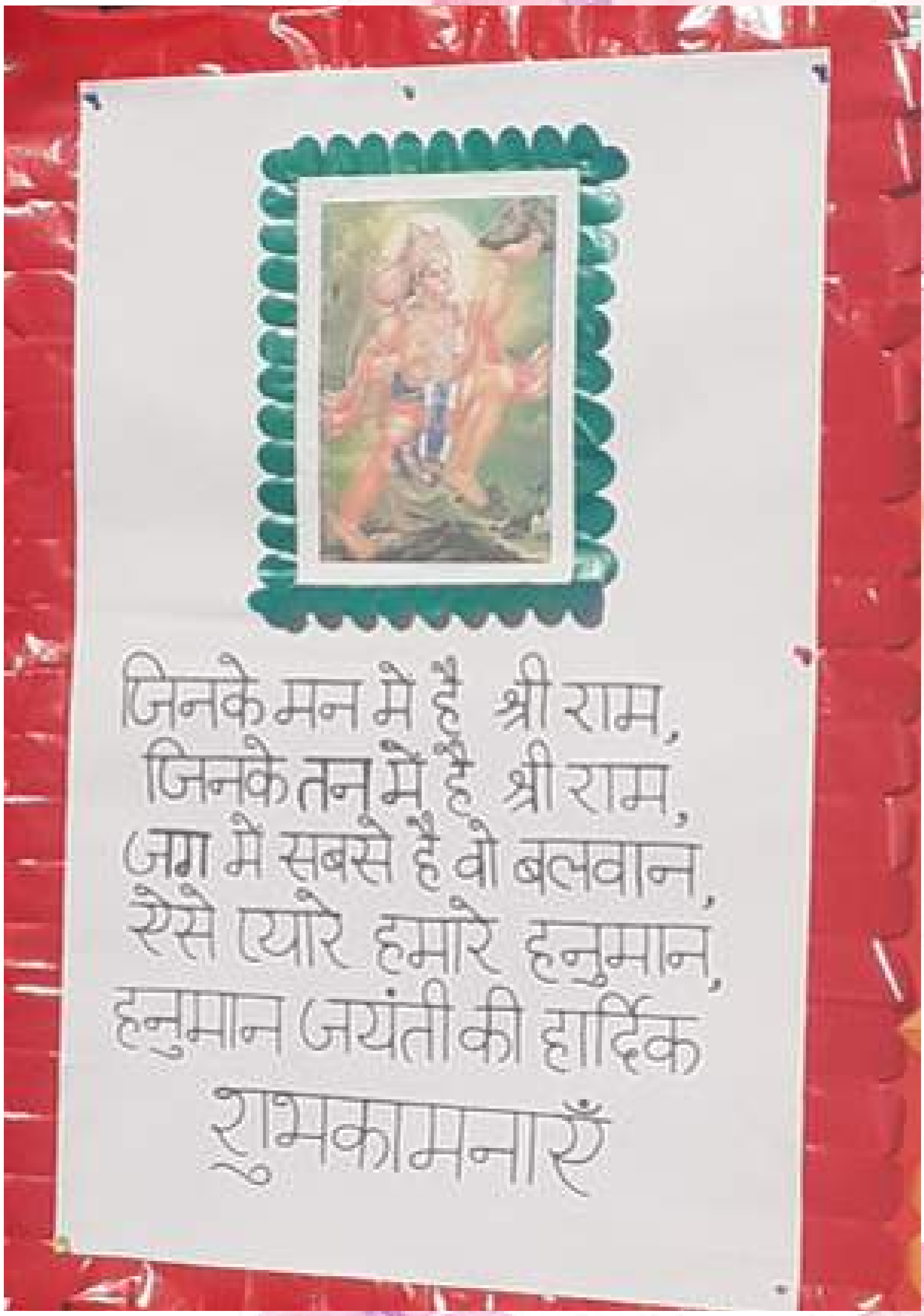

23/4/2024 को हनुमान जयंती के अवसर पर मुख्य उद्बोधन श्रीमान तपेन्द्र भरद्वाज जी का रहा। इस दिन राम भक्त हनुमान जी का जन्म हुआ था। उनकी माता का नाम अंजनी तथा पिता का नाम पवन था। हनुमान जी भगवान शिव के अवतार हैं, जो सर्वशक्तिमान तथा महाबलशाली हैं। यह रामायण महाकाव्य के प्रमुख पात्रों के रूप में जाने जाते हैं। अपनी अद्वितीय शक्ति, निष्ठा और बुद्धि के लिए जाने वाले हनुमान जी को साहस और निस्वार्थता के प्रतीक के रूप में भी जाना जाता है।

KID'S CORNER

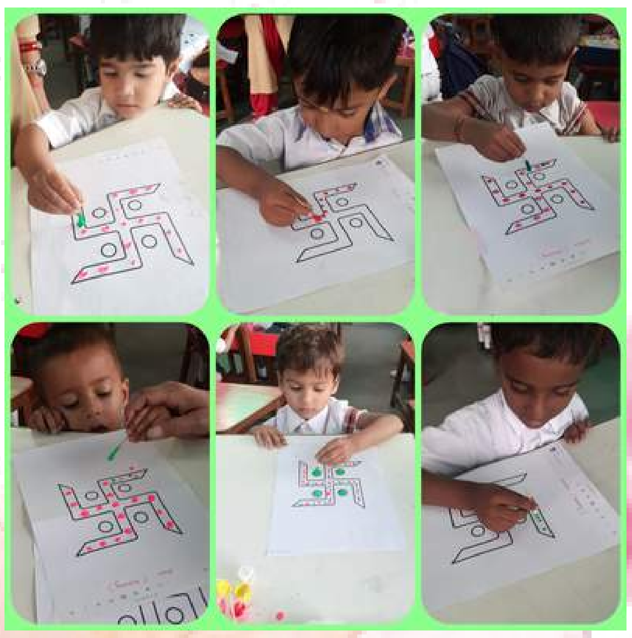

WORLD EARTH DAY
22 APRIL 2024

GOEL DR SANTOSH
WATI VIDYA MANDIR

SKILL DEVELOPMENT

PHOTOGRAPHY CLASS

HARDWARE CLASS

STITCHING CLASS

YOGA CLASS

26 अप्रैल 2024 लोकसभा चुनाव सरस्वती विद्या मंदिर राजनगर गाजियाबाद बना मतदान केन्द्र

मतदान से पहले K.G.D.S सरस्वती विद्या मंदिर के भैया बहिनों तथा आचार्य बंधु बहनों ने मतदाताओं की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए जागरुकता फैलाई ।

इस अवसर पर मतदान केंद्र के रूप में विद्यालय को सुव्यवस्थित और सुसज्जित किया गया । नोटिस बोर्ड पर उल्लेखित स्कूल के संदेश ,स्कूल स्टाफ और छात्रों की तस्वीर तथा सेल्फी स्टैंड सुंदर सजावट के मुख्य केंद्र बिंदु है ।

"अपनी ताकत को पहचान, चलो करें हम सब मतदान
विश्व में सबसे हो आगे, भारत देश महान
कदम वहीं पर पड़े जहां, लोकतंत्र का हो सम्मान
अपनी ताकत को पहचान, चलो करें हम सब मतदान "

30 APRIL
PRIZE DISTRIBUTION FOR POT DACORATION

विद्यालय में विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य पर POT DECORATION COMPETITION कराया गया। जिसमें उत्कृष्ट रचना के लिए भैया बहनों को प्रधानाचार्य जी द्वारा सम्मानित किया गया।

UNITY IN DIVERSITY

एकता की बात की जाए तो हमारे भारत का नाम सबसे ऊपर है, यहाँ तरह तरह की भाषा बोली जाती है अलग अलग धर्म के लोग एक साथ मिलकर रहते हैं, सभी के दिलों में एक दूसरे के लिए प्यार है, सब एक दूसरे की मदद करते हैं, दोस्तों यही एकता की पहचान हैं इतने सारे धर्म सभी के रीती रिवाज अलग फिर भी लोगों में इतना एकता यही है हमारे देश भारत की ख़ूबसूरती। इसी भाव को कक्षा 6 'ब' के भैया बहिनों ने बबिता जी के नेतृत्व में एक नाटिका द्वारा वन्दना सत्र में व्यक्त किया।

30 APRIL
STUDENTS PARLIAMENT ELECTION

आज हमारे विद्यालय में छात्र संसद का गठन किया गया जिसके लिए आज हमारे विद्यालय में छात्र सांसद उम्मीदवारों के चुनाव के लिए लोकतांत्रिक ढंग से मतदान कराया गया इसका उद्देश्य , छात्रों को लोकतांत्रिक ढंग से चुनाव प्रक्रिया को समझाना है

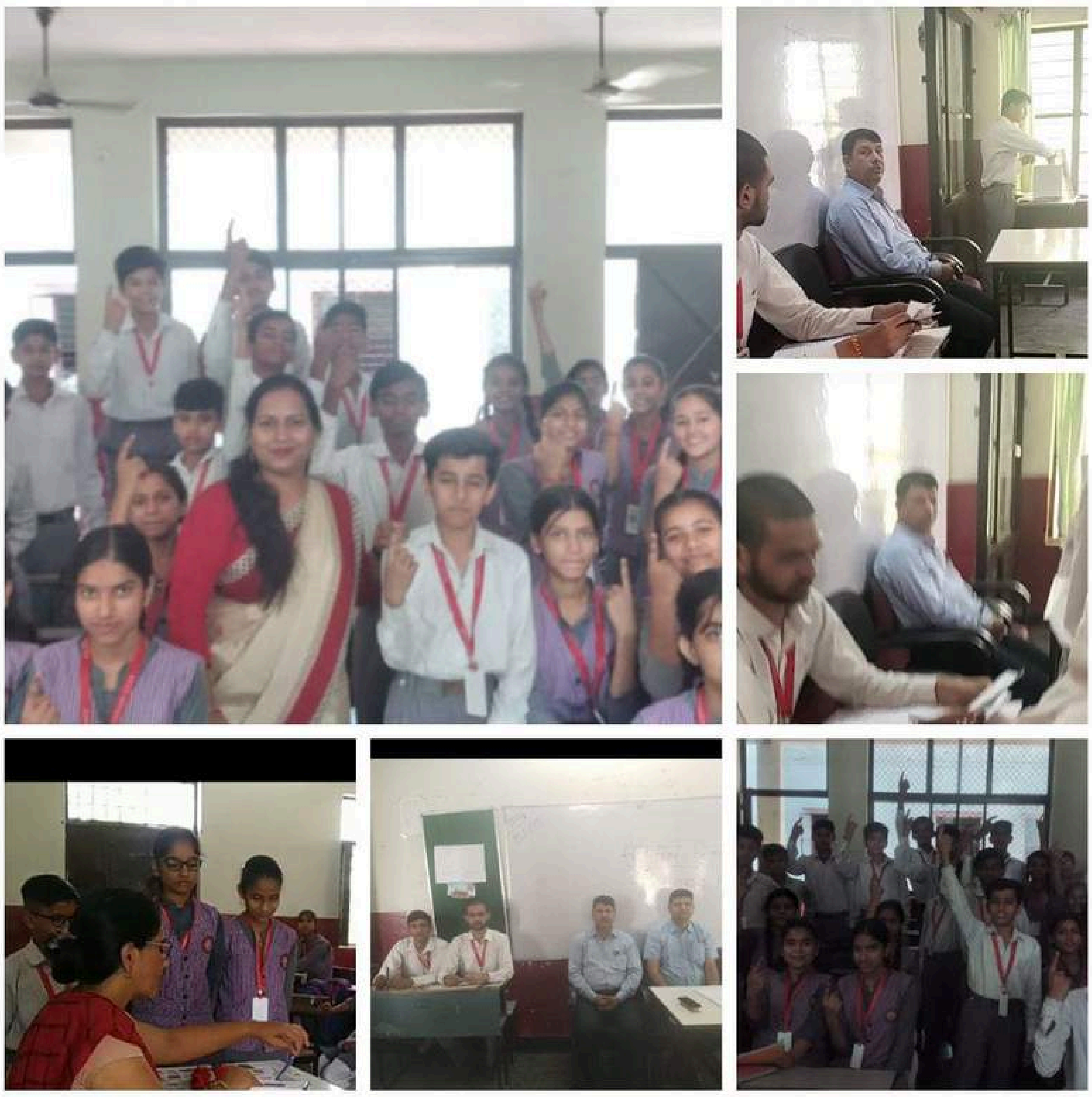

Thank you!

FOR ALL THE SUPPORT, GUIDANCE AND ENCOURAGEMENT AT WORK

EDITORS

GEETANJALI GUPTA
EKTA MAHESHWARI